

27 सालों बाद बीजेपी की वापसी ,आप का शीशमहल टूटा

दिल्ली ने साफ कर दिया है की उसके दिल मै क्या है ,उसके दिल में अगले 5 सालों के लिये बीजेपी हैं ,और आप को बाहर का रास्ता दिखा दिया है ,इस बार का दिल्ली चुनाव कोई आम चुनाव नहीं था ,बल्कि बीजेपी vs आप के लिये नाक की लड़ाई बन चुकी थी ,खासकर अरविंद केजरीवाल के 5 महीनों की लम्बी जेल की छुट्टियों के बाद ,और शराब घोटालों के संगीन आरोपो के बाद ये प्रतिष्ठा की जंग थी जिसका फैसाला दिल्ली की जनता की अदालत मे छोड़ दिया गया था ,जिसका फैसला दिल्ली की 94,51,997 जनता ने अपने वोट के जरिये दिया

दिग्गजों के किले हुऐ ध्वस्थ

दिल्ली की शतरंज की बाजी में राजा (अरविंद केजरीवाल)का checkmate हो गया है ,प्रवेश वर्मा (bjp)ने उन्हें लगभग 4000 वोटों से शिकस्त दी ,यहाँ तक की उनके सिप्पेसलाहर मनीश सिसोदिया भी अपना जंगपुरा वाला किला,तरविंदर मरवाह

(bjp)से हार गये ,वो तो शुक्र हो आतिशी का जो बड़ी मुश्किल से अपनी कालकाजी की सीट जीती उन्हें ,बीजेपी के रमेश बिधूड़ी ने कड़ी टक्कर दी ,लेकिन राजा की हार ने पूरी सेना मे खलबली मचा दी

हार की बड़ी वजह

केजरीवाल की साफ़ छवि की इमेज पर शराब का दाग ,पार्टी में बड़ी एंटी इंकम्बेंसी 8 बड़े विधायकों ने ठीक चुनाओ से पहले पार्टी को छोड़ा ,sympaty वोट का ना मिलाना ,जेल के दौरान पार्टी के कामकाज का थप होना ,अपने ही लोकसभा सहयोगी congress के साथ अनबन ,इन वजहों से केजरी दिल्ली वालो का दिल फिर से नहीं जीत सके

गुरु का चेले पर तंज

केजरीवाल के शुरुवाती गुरु अन्ना हजारे ,जिनके साथ रहकर (2014)मे वो लाइमलाइट में आये ने हार पर प्रतिक्रिया देते हुऐ कहा की वे पावर और पैसों के नशे में पवित्रता को भूल गया अब जनता ने उसे भुला दिया है

बीजेपी के चाणक्य की नीति

बीजेपी बिना किसी चेहरे के ,केवल मोदी के चेहरे पर दिल्ली लड़ रही थी ,और उन्होंने अपने चाणक्य यानि अमित शाह को operation लोटस को सफल बनाने का जिम्मा दिया ,और उन्होंने कर दिया जिसके लिये वो जाने जाते है ,उन्होंने पूरी ताकत छोंक दी 12 रैली ,4 रोड शो और दिल्ली विजय ,और बीजेपी कार्यकर्ताओ की भाषा में आपदा का सफाया

हालांकि बीजेपी की प्रचंड 48 शीट और आप की 22 सीटों में वोटिंग percentage difference 2 परसेंट का ही है ,और पूर्व cm आतिशी ने कहा जंग जारी रहेगी ,जो उनके आत्मविश्वास को दिखाता है ,कांग्रेस ने लगातार तीसरी बार आर्यभट्ट को जीरो (zero)के साथ याद किया ,तथा दिल्ली से लगभग साफ ही हो गयी है ।